जयपुर में भामाशाह टेक्नो हब शुरू

राजस्थान एक नई डिजिटल सुबह तक पहुंचा: वसुन्धरा

देश का सबसे बड़ा इनक्यूबेटर, 700 स्टार्टअप के एक साथ काम कराने की है क्षमता

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर

जयपुर के झालाना संस्थानिक क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के प्रयास से जयपुर में देश का सबसे बड़े इनक्यूबेटर भामाशाह टेक्नो हब शुरू हो गया है। इसमें एक साथ सात सौ स्टार्टअप को समायोजित कर उन्हें तकनीकी सहयोग से काम को जगह और अवसर प्रदान कराने की क्षमता है। मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने गुरुवार को फीता काट कर इसकी शुरुआत की। देश की सबसे बड़ी डाटा सेंटर ईपीसी कंपनी स्टर्लिंग एंड विल्सन के सहयोग से इसे स्थापित किया गया है। युवाओं को इस हब में एक ही छत के नीचे तकनीकी सुविधाएं, सह-कार्यस्थल, सलाहकार, बैंकिंग सुविधा, आईपीआर, वित्त व प्रौद्योगिकी विकास की सेवाएं मिल सकेगी। यह टैक्नो हब एक लाख वर्ग मीटर में फैला हुआ है।

सीएम वसुन्धरा राजे ने कहा कि इस देश के सबसे बड़े इनक्यूबेटर भामाशाह हब के माध्यम से राजस्थान एक नई डिजिटल सुबह तक पहुंच गया है। स्टार्टअप को इसमें नए अवसर मिलेंगे। हमने इस प्रोजेक्ट को वर्ष 2013 में डिजिटल कल का सपना देखकर महत्वाकांक्षी

सोच के साथ शुरू किया था। प्रशिक्षित व अत्यधिक कुशल सलाहकार इन स्टार्टअप की सफलता सुनिश्चित करेंगे। हमें विश्वास है कि भामाशाह टेक्नो हब डिजिटल स्पेस में हमारे प्रयास उद्यमिता और प्रतिभा को पोषित करने में मदद करेंगे। सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव अखिल अरोड़ा ने कहा कि स्टर्लिंग एंड विल्सन के काम के प्रति समर्पण के कारण यह हब स्थापित हो पाया है। 17 माह में ग्रीन बिल्डिंग मानकों के अनुसार इसका निर्माण हुआ है। डेटा सेंटर बिजनेस एंड ग्रुप हैड प्रसन्ना सरम्बाले ने कहा कि सरकार के प्रदेश को डिजिस्थान में बदलने के विजन में सहयोगी बनने पर उन्हें खुशी हो रही है।